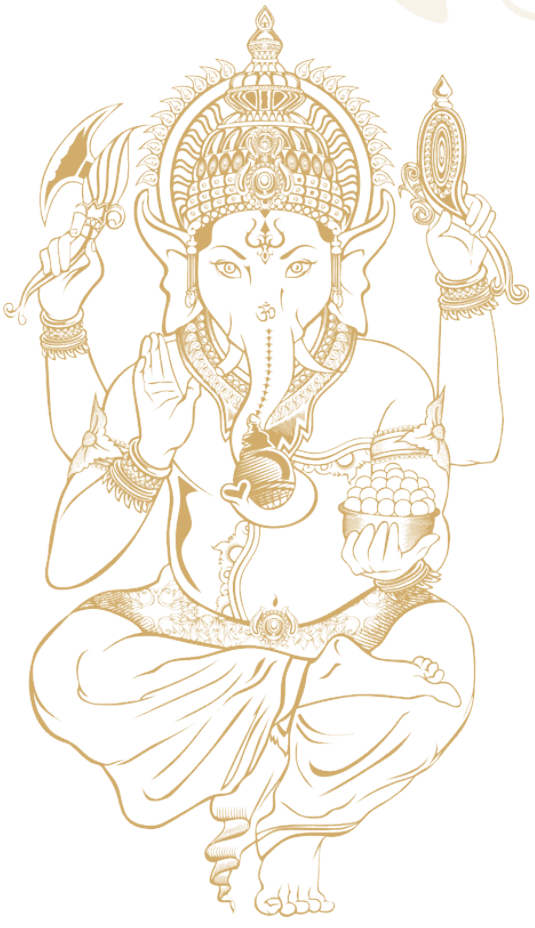

Sachin

01 May 1989

12:30 AM

Ambala

Model: Varshphal-2017

Order No: 121764701

तिथि 01/05/1989 **समय** 00:30:00 **वार** सोमवार **स्थान** Ambala **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:42:36
अक्षांश 30:19:00 उत्तर **रेखांश** 76:49:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:22:44 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	14:42:03 घं
वेलान्तर	00:02:54 घं
सूर्योदय	05:40:50 घं
सूर्यास्त	18:59:36 घं
चैत्रादि संवत	2046
शक संवत	1911
मास	वैशाख
पक्ष	कृष्ण
तिथि	10
नक्षत्र	शतभिषा
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि

अवकहड़ा चक्र

गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(रा.-न.)	रजत-ताम्र
होरा	सूर्य
चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी

राहु 11वर्ष 4मा 16दि
शनि
15/09/2016
16/09/2035

शनि	19/09/2019
बुध	29/05/2022
केतु	08/07/2023
शुक्र	07/09/2026
सूर्य	20/08/2027
चन्द्र	20/03/2029
मंगल	29/04/2030
राहु	05/03/2033
गुरु	16/09/2035

योगिनी

धान्या 1वर्ष 10मा 22दि
धान्या
23/03/2024
24/03/2027

धान्या	23/06/2024
भ्रामरी	22/10/2024
भद्रिका	24/03/2025
उल्का	22/09/2025
सिद्धा	23/04/2026
संकटा	23/12/2026
मंगला	22/01/2027
पिंगला	24/03/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			01:50:09	मक	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	गुरु	---	0:00			
सूर्य			16:41:12	मेष	भरणी	2	शुक्र	चंद्र	उच्च राशि	1.67	भ्रातृ	पितृ	साधक
चंद्र			11:34:20	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	शनि	सम राशि	1.30	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल			07:16:42	मिथु	आर्द्रा	1	राहु	राहु	शत्रु राशि	1.22	कलत्र	भ्रातृ	जन्म
बुध			07:17:17	वृष	कृतिका	4	सूर्य	केतु	मित्र राशि	0.83	ज्ञाति	ज्ञाति	वध
गुरु			15:47:42	वृष	रोहिणी	2	चंद्र	शनि	शत्रु राशि	0.92	मातृ	धन	मित्र
शुक्र			23:22:55	मेष	भरणी	4	शुक्र	शनि	सम राशि	1.48	आत्मा	कलत्र	साधक
शनि		व	20:10:05	धनु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु	सम राशि	1.41	अमात्य	आयु	साधक
राहु		व	08:42:23	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	गुरु	मित्र राशि		---	ज्ञान	जन्म
केतु		व	08:42:23	सिंह	मघा	3	केतु	गुरु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

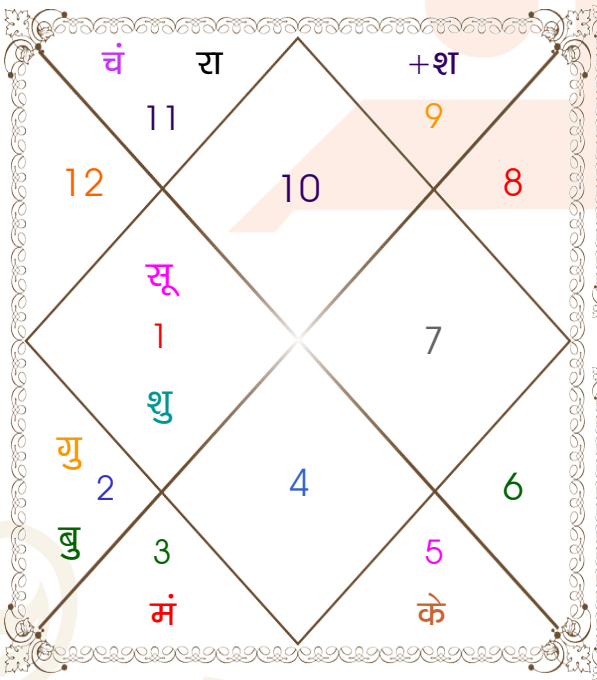

चन्द्र कुंडली

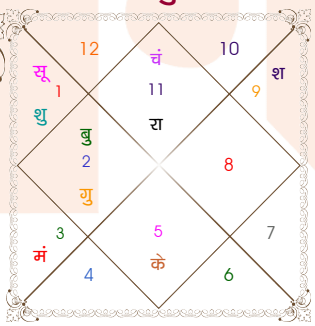

नवमांश कुंडली

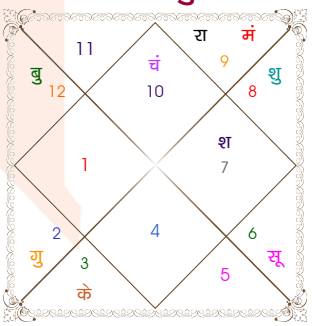

सर्वाष्टकवर्ग

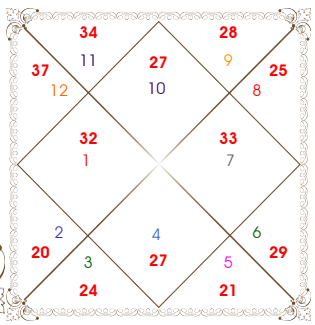

दशमांश कुंडली

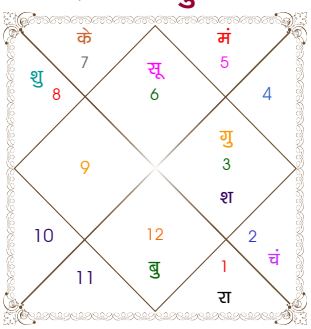

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी।अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट से परेशान हो सकते है साथ ही मानसिक स्थिति भी अशान्त रहेगी तथा यदा कदा उद्विग्नता एवं व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी। इस वर्ष में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें अल्प मात्रा में ही आपको सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा पारिवारिक जनों के मध्य कलह एवं मतभेद का भाव रहेगा। इस समय मातृ पक्ष या ससुराल से आप को न्यूनाधिक मात्रा में लाभ की भी प्राप्ति होगी साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति एवं उपभोग भी आप करेंगे परन्तु इसकी मात्रा में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी आपकी सामान्य श्रद्धा रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्यतया उन्नतिकारक एवं परिश्रमशील रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम से आप को व्यापार में अल्प सफलता ही प्राप्त होगी तथा लाभ मार्ग में भी रुकावट आएंगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आप की उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे एवं विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा । इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नेता या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा इनसे लाभ एवं सहयोग भी अल्प ही प्राप्त होगा । सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी इस वर्ष मध्यम रहेगा साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों तथा वृतियों के सम्पन्न करने में विशेष रूचि का प्रदर्शन अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सामान्य सफलता आर्जित होगी तथा आपको काफी परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा।साथ ही आपके सौभाग्य में वृद्धि तो होगी परन्तु इसका प्रभाव अल्प मात्रा में रहेगा तथापि किसी महत्वपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिल ही जाएगी। इस समय सामान्य रूप से आपको भौतिक सुख संसाधन भी प्राप्त होंगे परन्तु उनका उपभोग आप मध्यम रूप से कर सकेंगे। इसके साथ ही किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय की भी संभावना रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्यतया शुभ रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप इसमें उन्नति एवं लाभ अर्जित कर सकेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपके उन्नतिमार्ग प्रशस्त होंगे परन्तु इसमें किंचित विलम्ब की संभावना रहेगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप संबध स्थापित करेंगे तथा समय समय पर उनसे न्यूनाधिक सहयोग अर्जित करते रहेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य तथा मानसिक संकल्प पूर्ण होने की संभावना बनेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आपको सामान्य सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए परिश्रम तथा संघर्ष पूर्ण होकर किंचित सुख प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

प्रथम मास

01/05/2026 12:08:35 से 01/06/2026 14:55:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	19:09:14
सूर्य		मेष	भरणी	16:41:12
चन्द्र		तुला	स्वाति	11:41:01
मंगल		मीन	रेवती	22:21:33
बुध		मेष	अश्विनी	02:15:52
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:43:36
शुक्र		वृष	रोहिणी	14:23:51
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:57:04
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	12:44:01
केतु	व	सिंह	मघा	12:44:01
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	01:50:09

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

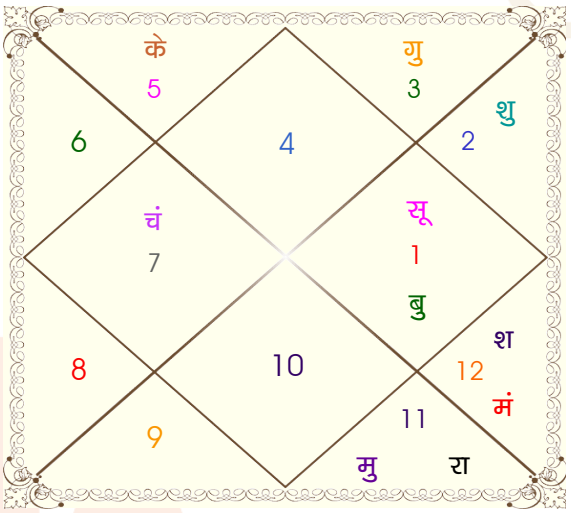

इस समय आपको शत्रुओं से भय एवं चिन्ता बनी रहेगी साथ ही घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। इस समय आपका अनावश्यक रूप से व्यय होगा एवं धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। शारीरिक रूप से भी आप विभिन्न प्रकार से कष्टानुभूति करेंगे परिणामतः आपके बल में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप घर से दूर किसी यात्रा को सम्पन्न कर सकते हैं। सांसारिक कार्यो में भी इस समय आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी के कारण बुखार आदि से भी कष्टानुभूति करेंगे। इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

द्वितीय मास

01/06/2026 14:55:03 से 03/07/2026 00:38:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	21:21:36
सूर्य		वृष	रोहिणी	16:41:12
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:54:42
मंगल		मेष	भरणी	15:49:22
बुध		मिथुन	मृगशिरा	05:35:41
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:54:50
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:37:51
शनि		मीन	रेवती	18:02:59
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	09:17:23
केतु	व	सिंह	मघा	09:17:23
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	04:20:09

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

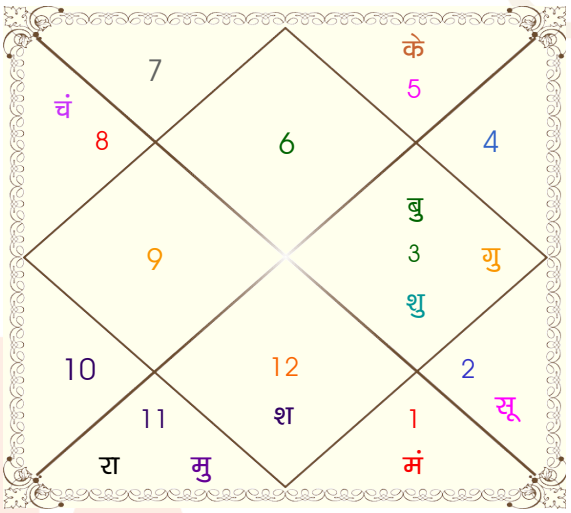

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ एवं दुर्बलता की अनुभूति करेंगे साथ ही शत्रुपक्ष से भी अनावश्यक भय एवं चिन्ता का वातावरण रहेगा जिससे मन में अशान्ति उत्पन्न होगी। इस समय आपके घर में या अन्यत्र चोरी आदि भी हो सकती है। अतः आपको चोरों से सावधान रहना चाहिए। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का उलंघन न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे साथ ही धन का भी अनावश्यक व्यय होगा तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी इस समय सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। सम्बन्धियों एवं मित्रों से भी आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा समाज से उपेक्षा प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त आशाओं की पूर्ति में भी आप असफल ही रहेंगे।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे जिससे आप स्त्री से सुखी रहेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से अपने प्रमुख कार्यों को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा एवं यत्नपूर्वक आप इसका अनुपालन करेंगे। इस प्रकार आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

03/07/2026 00:38:03 से 03/08/2026 10:54:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	26:54:12
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	16:41:12
चन्द्र		मकर	श्रवण	17:40:09
मंगल		वृष	कृतिका	08:36:20
बुध	व	कर्क	पुनर्वसु	01:40:15
गुरु		कर्क	पुष्य	06:19:04
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	27:59:53
शनि		मीन	रेवती	20:01:55
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:29:45
केतु	व	सिंह	मघा	06:29:45
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	06:50:09

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

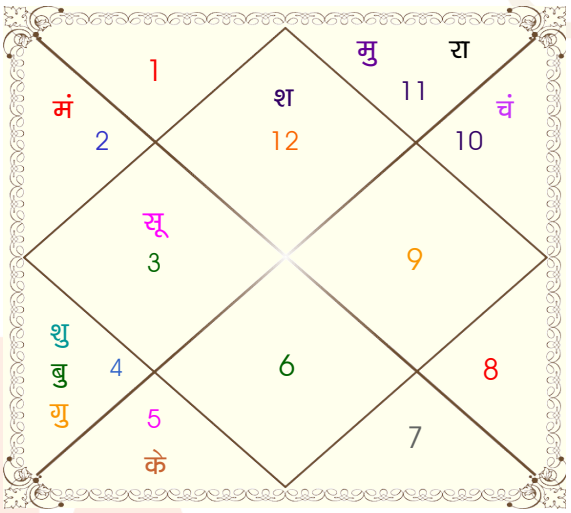

यह मास आपके लए मध्यम रहेगा अर्थात शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे अतः आप का व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति भी करेंगे। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी पूर्ण रूप से ठीक नहीं रहेगा इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पराक्रम एवं परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। मित्रों एवं सम्बन्धियों के मध्य आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा उनसे उचित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में भी इस मास में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा शत्रुओं से नित्य भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त आप जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। साथ ही मन से भी अशान्त रहेंगे एवं बैचेनी की अनुभूति करेंगे।

इसके साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं उससे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा पूर्ण रूपेण धन लाभ तथा सुख प्राप्त करेंगे। साथ ही आप समाज में कीर्ति भी प्राप्त कर सकेंगे।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

चतुर्थ मास
03/08/2026 10:54:05 से 03/09/2026 15:10:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	22:49:03
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	16:41:12
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	10:33:48
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	00:20:17
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	27:19:00
गुरु		कर्क	पुष्य	13:13:23
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:07:36
शनि	व	मीन	रेवती	20:28:20
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:37:52
केतु		सिंह	मघा	05:37:52
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	09:20:09

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

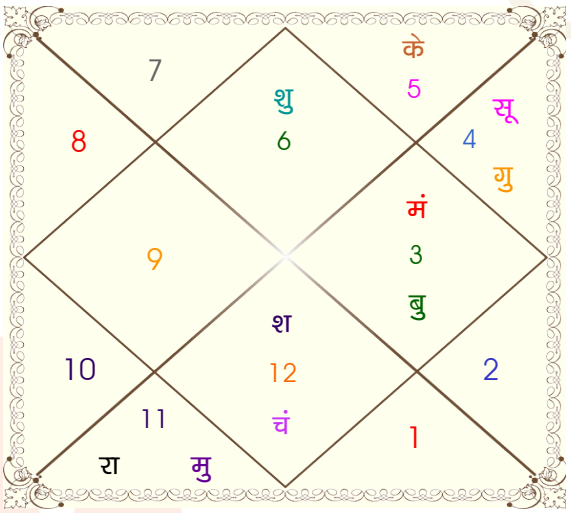

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा इस समय आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास आपका शत्रुपक्ष बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे फलतः मानसिक रूप से आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें एवं उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे अन्यथा आपको असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। साथ ही धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक संकट भी न्यूनाधिक मात्रा में रहेगा। आपके द्वारा इस मास कोई ऐसा भी कार्य हो सकता है जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इस मास आपके सम्बन्धियों तथा मित्रों से तनावपूर्ण संबध रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज से भी आपको उपेक्षा मिलेगी तथा आशाएं भी अल्पमात्रा में पूर्ण होंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में शुभ फल भी घटित होंगे।जिसके प्रभाव से आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे जिससे मानसिक प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति होगी।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

पंचम् मास

03/09/2026 15:10:00 से 04/10/2026 08:40:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:51:51
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:41:12
चन्द्र		वृष	कृतिका	04:31:38
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	20:40:53
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:56:17
गुरु		कर्क	आश्लेषा	19:58:13
शुक्र		तुला	चित्रा	00:49:10
शनि	व	मीन	रेवती	19:18:35
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:31:59
केतु	व	सिंह	मघा	05:31:59
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	11:50:09

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

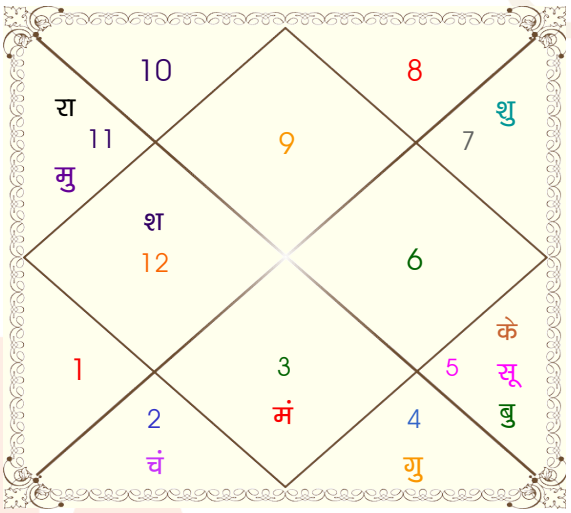

इस मास में आप उत्तम फल प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से भी आपको यथोचित मान सम्मान एवं यश प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप इस मास तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त भाइयों से आपको इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके मानसिक विचार एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता भी अर्जित करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

षष्ठ मास

04/10/2026 08:40:07 से 03/11/2026 13:42:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	16:21:03
सूर्य		कन्या	हस्त	16:41:12
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	24:13:08
मंगल		कर्क	पुष्य	09:16:15
बुध		तुला	स्वाति	10:29:18
गुरु		कर्क	आश्लेषा	25:54:44
शुक्र	व	तुला	स्वाति	14:14:40
शनि	व	मीन	रेवती	17:05:58
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	04:49:43
केतु		सिंह	मघा	04:49:43
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	14:20:09

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

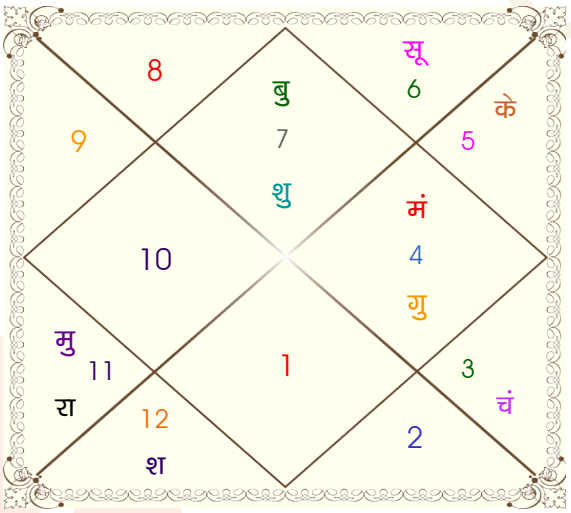

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

सप्तम् मास
03/11/2026 13:42:48 से 03/12/2026 07:56:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	27:27:46
सूर्य		तुला	स्वाति	16:41:12
चन्द्र		सिंह	मघा	05:37:41
मंगल		कर्क	आश्लेषा	25:33:29
बुध	व	तुला	स्वाति	19:35:12
गुरु		सिंह	मघा	00:22:02
शुक्र	व	तुला	चित्रा	00:56:04
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:54:28
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:41:58
केतु	व	सिंह	मघा	02:41:58
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	16:50:09

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

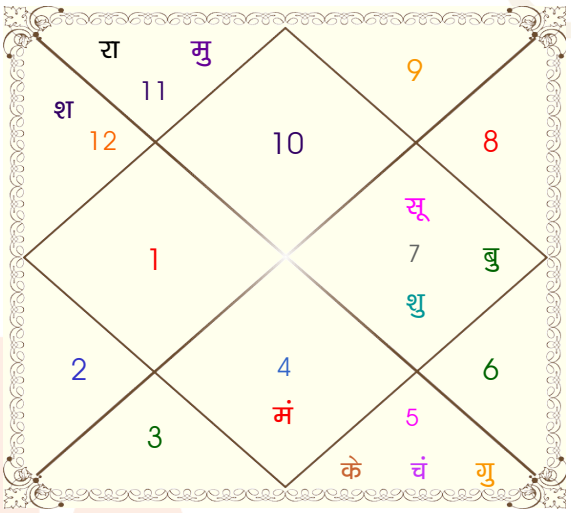

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

अष्टम् मास
03/12/2026 07:56:15 से 01/01/2027 19:42:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:20:13
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	16:41:12
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:12:55
मंगल		सिंह	मघा	08:27:56
बुध		वृश्चिक	विशाखा	00:53:29
गुरु		सिंह	मघा	02:37:41
शुक्र		तुला	चित्रा	04:59:31
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:45:08
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	29:34:53
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	29:34:53
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	19:20:09

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

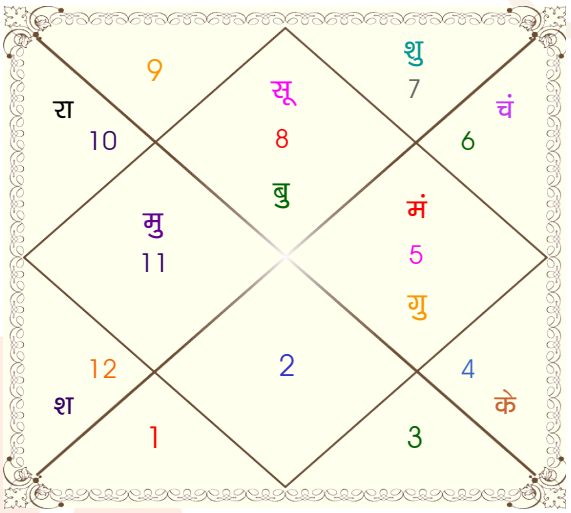

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्धारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

नवम् मास
01/01/2027 19:42:16 से 31/01/2027 06:56:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	15:06:47
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:41:12
चन्द्र		तुला	स्वाति	07:49:11
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:41:58
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:36:55
गुरु	व	सिंह	मघा	02:10:07
शुक्र		तुला	विशाखा	29:50:47
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:07:03
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:11:44
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:11:44
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:50:09

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

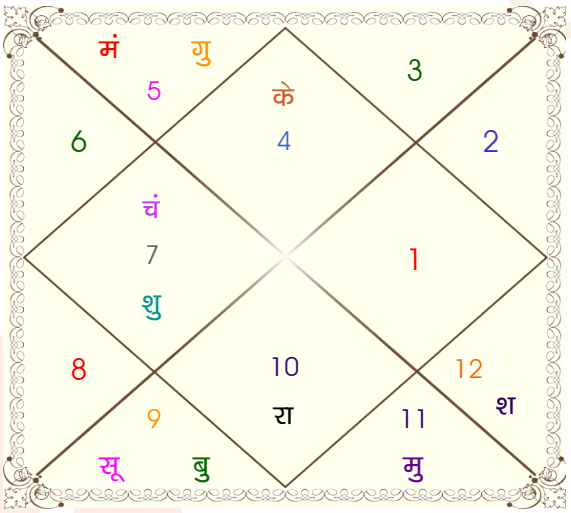

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चिंतित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

दशम् मास
31/01/2027 06:56:06 से 01/03/2027 23:41:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	10:05:32
सूर्य		मकर	श्रवण	16:41:12
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	04:51:28
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:26:10
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	04:28:49
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	29:14:05
शुक्र		धनु	मूल	01:42:51
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:57:16
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:21:58
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:21:58
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:20:09

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

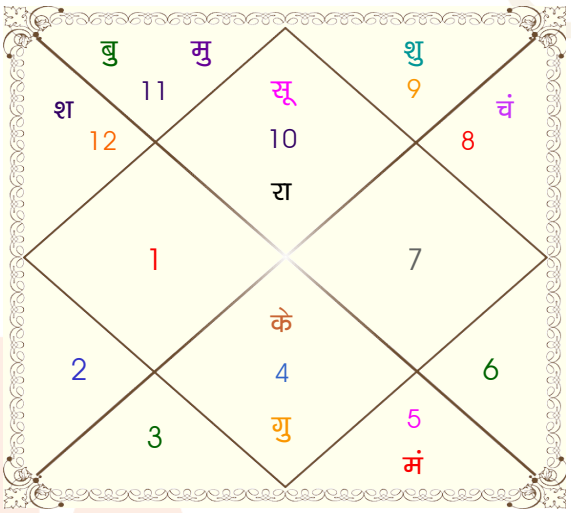

इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे।साथ ही इस मास में मिष्ठान्न के प्रति आपके मन में विशेष रूचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे। इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

एकादश मास

01/03/2027 23:41:12 से 01/04/2027 02:42:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	26:16:11
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	16:41:12
चन्द्र		धनु	मूल	03:35:06
मंगल	व	सिंह	मघा	02:37:48
बुध	व	मकर	धनिष्ठा	26:51:24
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	25:25:17
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:20:12
शनि		मीन	रेवती	18:55:15
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:09:55
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:09:55
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:50:09

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

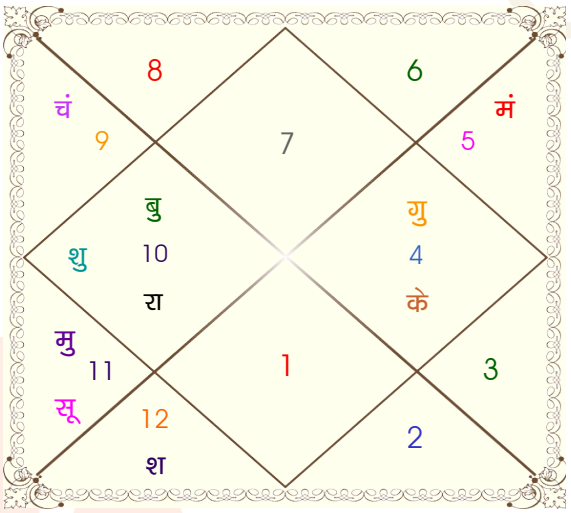

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com

द्वादश मास

01/04/2027 02:42:40 से 01/05/2027 18:11:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:07:38
सूर्य		मीन	रेवती	16:41:12
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:41:19
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	26:41:20
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:59:53
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	22:59:26
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	12:26:14
शनि		मीन	रेवती	22:33:53
राहु		मकर	धनिष्ठा	25:03:58
केतु		कर्क	आश्लेषा	25:03:58
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:20:09

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

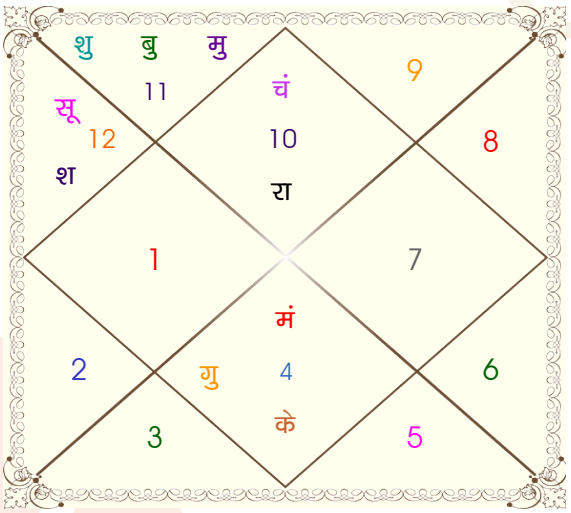

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा उनमें आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा फलतः आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु आपसे इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभफल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोग से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस समय पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करना चाहिए।

Pt Rupinder vashishth
Patel Nagar Yamunanagar
9466043536
rupendersharma1971@gmail.com